" भारत और मलेशिया को आपसी सहयोग से बहुत फायदा होगा" - लोक सभा अध्यक्ष

कोटा किनबालु, सबाह, मलेशिया, 10 जनवरी 2016 : लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन जो राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और अधिकारियों के 23वें सम्मेलन में भाग लेने के लिए इस समय मलेशिया में हैं, ने 9 जनवरी 2016 को मलेशिया में भारत के उच्चायुक्त द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भाग लिया। अन्य लोगों के साथ साथ इस स्वागत समारोह में भारतीय मूल के अनेक व्यक्ति भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि वर्ष 1915 की 9 जनवरी का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। भारत का प्रवासी सुपुत्र, राष्ट्रपिता, मोहनदास कर्मचन्द गांधी ब्रिटिश रंगभेद की नीति के विरुद्ध जोशीले संघर्ष के बाद दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटा था। वर्ष 2003 से ही भारत सरकार प्रति वर्ष इस दिन को प्रवासी भारतीय दिवस के रूप में मना रही है। उन्हें यह देखकर बहुत ख़ुशी हुई कि भारतीय उच्चायुक्त ने इस दिन को आगंतुक भारतीय शिष्टमंडल के सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन करने और मलेशिया में मौजूद प्रवासी भाई-बहनों के साथ उनकी मुलाक़ात कराने के लिए निर्धारित किया ।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि मलेशिया के साथ भारत के संबंध सभ्यता और इतिहास के ताने-बाने से जुड़े हैं, श्रीमती महाजन ने यह भी कहा कि पिछली कई शताब्दियों के दौरान प्राचीन भारत और मलय प्रायद्वीप के कोरोमंडल और कलिंग तटों के बीच महत्वपूर्ण व्यापारिक सांस्कृतिक संबंध तब स्थापित हुए जब यह क्षेत्र व्यापार और वाणिज्य का केंद्र था। तमिलनाडु के महान पल्लव और चोल वंशों ने 10 से 15 शताब्दियों से भी पहले मलय प्रायद्वीप पर गहरी छाप छोड़ी थी । उनके मंदिरों और अन्य भवनों और शिलालेखों के अवशेष केदाह राज्य की बुजंग घाटी में मिले हैं। शीघ्र ही इन वाणिज्यिक और सांस्कृतिक संबंधों का विस्तार मालाबार तट और गुजरात सहित भारत के अन्य भागों में भी हुआ। बाद में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और इंडियन नेशनल आर्मी को मलाया से सहारा और ताकत मिली और हज़ारों की संख्या में मलेशियाई भारतीयों ने भारत को उपनिवेशवादी शासकों से मुक्त कराने के लिए उन्हें सहयोग दिया ।

दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों का उल्लेख करते हुए, श्रीमती महाजन ने कहा कि भारत विश्व में तेजी से विकसित हो रही मुख्य अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसकी वृद्धि दर 7 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा कि मलेशियाई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए भारत हमेशा से एक प्रमुख निवेश केंद्र रहा है। मलेशियाई कंपनियों ने भारत में 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर से भी अधिक राशि का निवेश किया है और इसके अलावा 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर

मूल्य की परियोजनाएं पूरी कर चुकी हैं। वर्तमान में अनेक मलेशियाई कंपनियां भारत में विशेष रूप से सड़कों, पत्तनों, विद्यत, पर्यटन और मेजबानी, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी जैसे बुनियादी क्षेत्रों में निवेश कर रही हैं। इसी तरह अनेक भारतीय व्यापारी भी मलेशिया में निवेश के उत्सुक हैं ।

श्रीमती महाजन ने कहा कि भारत और मलेशिया को आपसी सहयोग से बहुत फायदा हो सकता है। भारतीय प्रवासियों के माध्यम से भारत और मलेशिया के आपसी संबंध मजबूत होंगे। भारत और मलेशिया मिलकर जो काम करते हैं, भारतीय प्रवासी उसका हिस्सा होंगे।